

प्रेषक,

सौरभ जैन
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उरेडा
देहरादून

ऊर्जा विभाग

देहरादून: दिनांक 31 मार्च, 2009

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2008-09 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को
वैकल्पिक ऊर्जा कार्यक्रम के लिए वित्तीय स्वीकृति।

महोदय, -

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-267/XXV II (1)/2008, दिनांक 27.03.2008 एवं आपके पत्र संख्या: 3316/उरेडा/8(1)/बजट/07 दिनांक 7-3-2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को वित्तीय वर्ष 2008-09 में विण्ड मानीटरिंग कार्यक्रम हेतु ₹0 5.00 लाख (₹0 पांच लाख मात्र) की धनराशि आयोजनागत में अनुदान/उपादान के रूप में वर्णित लेखाशीर्षक में निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय करने हेतु आपके नियंत्रण पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि तभी एवं उसी मात्रा में आहरित कर व्यय की जायेगी जहां जैसा राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में सम्बन्धित अनुदान/सब्सिडी दिये जाने को अनुमन्य किया गया हो, अन्यथा धनराशि आहरित/व्यय नहीं की जायेगी।
- 2- स्वीकृत धनराशि का बिल निदेशक, उरेडा द्वारा तैयार कर सहायक विद्युत निरीक्षक, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरित के उपरान्त देहरादून कोषागार में आवश्यकतानुसार ही धनराशि का आहरण किया जायेगा। तदोपरान्त निदेशक, उरेडा द्वारा सम्बन्धित जिलों को धनराशि प्रेषित की जायेगी एवं जनपदवार प्रेषित की गई धनराशि की सूचना शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 3- व्यय करने से पूर्व योजनाओं पर बजट मैनुअल, फाईनैन्शियल हैण्डबुक, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, शासन के मितव्ययता विषयक आदेश व तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र, योजनावार व्यय विवरण एवं योजनाओं की वित्तीय/भौतिक प्रगति आदि का विवरण यथासमय उपलब्ध कराया जायेगा। केन्द्र पोषित योजनाओं का उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार एवं राज्य सरकार को भी समयबद्ध रूप से प्रेषित किया जायेगा।
- 5- व्यय उन्हीं मदों से किया जाएगा जिनके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

(2)

6-कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित विभागीय निर्माण एजेन्सी/सम्बन्धित प्रोजेक्ट मैनेजर पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

7-योजनान्तर्गत सम्बन्धित योजनाओं/कार्यों हेतु केन्द्रांश की प्राप्ति भी समय से कर ली जायेगी तथा योजना/कार्यवार प्राप्त केन्द्रांश का विवरण तथा तदकम में प्रत्येक योजना/कार्यवार कुल लागत/ व्यय धनराशि के सापेक्ष व्यय किये गये केन्द्रांश व राज्यांश का विवरण भी शासन में वित्त विभाग को समय से प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

8-उक्त योजनाओं पर उक्त धनराशि राज्यांश के विपरीत अवमुक्त की जा रही है और शेष राज्यांश तब ही अवमुक्त किया जाएगा जब केन्द्र सरकार द्वारा अपने अंश के विपरीत धनराशि अवमुक्त कर देगी। केन्द्र पोषित योजनाओं में धनराशि का आहरण केन्द्रांश प्राप्त होने के बाद ही किया जायेगा। जिन योजनाओं में केन्द्रांश प्राप्त होता है उनके सापेक्ष केन्द्रांश अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।

9-स्वीकृत की जा रही धनराशि का एक मुश्त आहरण न करके आवश्यकतानुसार ही कोषागार से आहरण किया जायेगा।

10-इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-21 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-03-वायु ऊर्जा कार्यक्रम-101-वायु ऊर्जा कार्यक्रम-01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्रीय पुरोनिधानित योजना के अंतर्गत अंशपोषित-0101-उरेडा के लिए अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान राज सहायता के नामे डाला जाएगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 1478/एक्स0 एक्स0 वी-11(2)/2008, दिनांक 31 मार्च, 2009 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:-यथोक्त।

भवदीय,

(सौरभ जैन)
अपर सचिव।

संख्या: 512 / 1 / 2008-3(1) / 27 / 2008 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखंड, देहरादून।
- 2- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 3- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-2/नियोजन विभाग।
- 5- सहायक विद्युत निरीक्षक, विद्युत सुरक्षा विभाग, देहरादून।
- 6- प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 7- सचिव, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखंड शासन/एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एम0एम0सेमवाल)
अनु सचिव।